3/6/21 (1)

SEPTEMBER • 24 WEDNESDAY •
39th Week • 267 Day

एम.ए. I सेमेस्टर
Hindi मेजर
मध्यकालीन हिन्दी काव्य
जायसी

डॉ० कीर्तिमाला कश्यप
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिंदी विभाग
ई०श्व० डि० कॉलेज
इलाहाबाद

प्रश्न :- प्रस्तुत पंक्तियों की व्याख्या करें

भा आगमन होइ गोरा मिला।
तुइँ राजहि लेइ चलु बादला।।
पिता मरै जो सँकरे साथा।
मीचु न देइ पूत के माथा।।
मैं अब आउ भरी औ भूँजी।
का पछिताव आउ जौ पूजी।।
बहुतन्ह मारि मरौं जौ जूझी।
तुम्ह जिनि रोएहु तौ मन बूझी।

उत्तर :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक मध्यकालीन हिन्दी काव्य के जायसी के पद्मावत के खण्ड से गोरा-बादल युद्ध खंड से ली गई है।
प्रस्तुत पंक्तियों में गोरा और बादल के वीरता से भरे संवाद को वर्णित किया गया है। प्रसंग राजा को छुड़ाकर चित्तौड़ लौटने का है। गोरा और बादल दोनों वीरता से भरे हुए हैं तथा लड़ने को तत्पर है। गोरा अपने पुत्र बादल से कहता है कि मैं सुल्तान की सेना को रोककर युद्ध करूँगा तथा तुम राजा को लेकर चित्तौड़ की राह पकड़ो। क्रमशः!-

Behind every able man, there are always other able men.

(2)

SEPTEMBER

25

THURSDAY

39th Week • 268 Day

B.A. I Part ~~[illegible]~~ 3/6/21

Hindi Hons

प्रश्न [illegible]

NOTES

मेरा इस संसार में कहना है कोई सार नहीं। जीवन के कारण मन को नहीं समझना चाहिए। मैं [illegible] मृत्यु सत्य नहीं है। मेरी मृत्यु होगी तो कोई दुःख नहीं होगी आत्मा मुक्त हो जाती है, मेरी कामना भगवान से आपकी आत्मा का [illegible] का विचार है। मेरी मृत्यु होगी तो मृत्यु से जीवन कोई बात नहीं है। हम आज यहीं ही कल उन्हें कैसे। [illegible] जीवन का सुख निश्चय नहीं [illegible] [illegible] हम [illegible] को [illegible] [illegible] नाम है। [illegible] को [illegible] [illegible] में [illegible] है तो [illegible] को कोई [illegible] नहीं है। मेरी मृत्यु [illegible] होती है तो [illegible] नहीं चाहिए। क्योंकि मेरी मृत्यु [illegible] से [illegible] तो [illegible] कब होगी यह [illegible] को [illegible] है।

(1) गद्यांश – प्रस्तुत पंक्तियाँ [illegible] से ली गई हैं।

(2) प्रस्तुत पंक्तियों में [illegible] का वर्णन करता हुआ [illegible] गया है।

(3) भाषा – सरल हिन्दी [illegible] लोगों के [illegible] है।

(4) प्रस्तुत पंक्तियों [illegible] है।

(5) यहाँ जीवन दर्शन की व्याख्या की गई है।

(6) यहाँ लेखक ने [illegible] जीवन का परिचय [illegible] गया है।

[illegible]

It is not stress that kills us. It is effective adaptation to stress that allows us to live.